भारत सरकार

इलैक्ट्रानिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केन्द्र, हिमाचल प्रदेश

शिमला दिनांक 05-अगस्त-2017

हिंदी समिति की बैठक का आयोजन एवं

एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला एवं हिंदी संगोष्ठी का आयोजन

राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने एवं सरकार की राजभाषा नीति के प्रति अनुकूल वातावरण बनाने के लिए केंद्र सरकार के कार्यालयों में वर्ष की प्रत्येक तिमाही में हिंदी कार्यान्वयन समिति की बैठक, हिंदी कार्यशाला एवं हिंदी संगोष्ठी का आयोजन अपेक्षित है।

इस उद्देश्य हेतु राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र हिमाचल प्रदेश में वित्त वर्ष 2017-18 की द्वितीय तिमाही (01-जुलाई-2017 से 30-सितम्बर-2017) के दौरान दिनांक 05-अगस्त-2017 को कार्यालय की हिंदी कार्यान्वयन समिति की बैठक, एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला एवं हिंदी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। हिंदी कार्यान्वयन समिति की बैठक के लिए समिति के सभी सदस्यों को पूर्व में सूचित किया गया था, एवं इसी प्रकार से कार्यालय के सभी अधिकारिओं एवं कर्मचारिओं को हिंदी कार्यशाला व हिंदी संगोष्ठी के आयोजन के लिए भी पूर्व में सूचित किया गया था।

श्री अजय सिंह चैहल राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी हिंदी कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए

सबसे पहले कार्यालय की हिंदी कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन पूर्व निर्धारित समय अनुसार किया गया एवं बैठक में समिति के अध्यक्ष एवं सभी सदस्यों ने भाग लिया। समिति की बैठक में एन.आई.सी. हि.प्र. कार्यालय एवं समस्त अधीनस्थ कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग की समीक्षा की गयी। एवं यह पाया गया, कि राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी जी के मार्गदर्शन में राज्य कार्यालय एवं सभी अधीनस्थ कार्यालयों में सभी अधिकारिओं एवं कर्मचारिओं द्वारा कार्यालय में हिंदी का प्रयोग अधिक से अधिक सुचारू रूप से किया जा रहा है।

हिंदी कार्यान्वयन समिति की बैठक के पश्चात् हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के आयोजन हेतु कार्यालय के समस्त अधिकारिओं एवं कर्मचारिओं से अपने-अपने नाम कार्यशाला के आरम्भ होने से पूर्व सूचित करने का अनुरोध किया गया था, जिन्हें कार्यालय में अथवा अपने कार्यक्षेत्र में हिंदी के प्रयोग एवं हिंदी में कार्य करने में किसी भी प्रकार की कठिनाई हो रही हो। परन्तु किसी भी अधिकारी एवं कर्मचारी ने अपना नाम नामित नहीं किया एवं सभी ने सूचित किया, कि उनको हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है।

हिंदी कार्यशाला एवं संगोष्ठी में विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लेते हुए

हिंदी कार्यशाला में राज्य कार्यालय एवं समस्त अधीनस्थ कार्यालयों के सभी अधिकारिओं एवं कर्मचारिओं ने भाग लिया। जिला एवं अन्य कार्यालयों के अधिकारिओं व कर्मचारिओं ने विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। इस प्रकार कार्यालय की हिंदी कार्यशाला के दौरान सभी उपस्थित महानुभावों ने क्रम

वार विस्तृत रूप से विचार प्रकट किये, एवं अपने-अपने कार्यालय एवं कार्यक्षेत्र में राजभाषा के प्रयोग हेतु अनुभव साँझा किये। सभी उपस्थित महानुभावों द्वारा विचारों एवं अनुभवों को साँझा करते हुए मूल विषय अपने-अपने कार्यालय एवं कार्यक्षेत्र में राजभाषा हिंदी का प्रयोग करना एवं बढ़ावा देना ही रहा। इस प्रकार से जागरूकता और प्रेरणा के लिए सामान्य कार्यशाला का आयोजन किया गया तथा विशेष कार्यशाला का आयोजन नहीं किया गया, परन्तु सामान्य कार्यशाला का आयोजन सभी अधिकारिओं एवं कर्मचारिओं के लिए उत्साहवर्धक एवं हिंदी के ज्ञान को कार्यालय में प्रयोग हेतु तरोताजा रखने के लिए विशेष महत्वपूर्ण रहा।

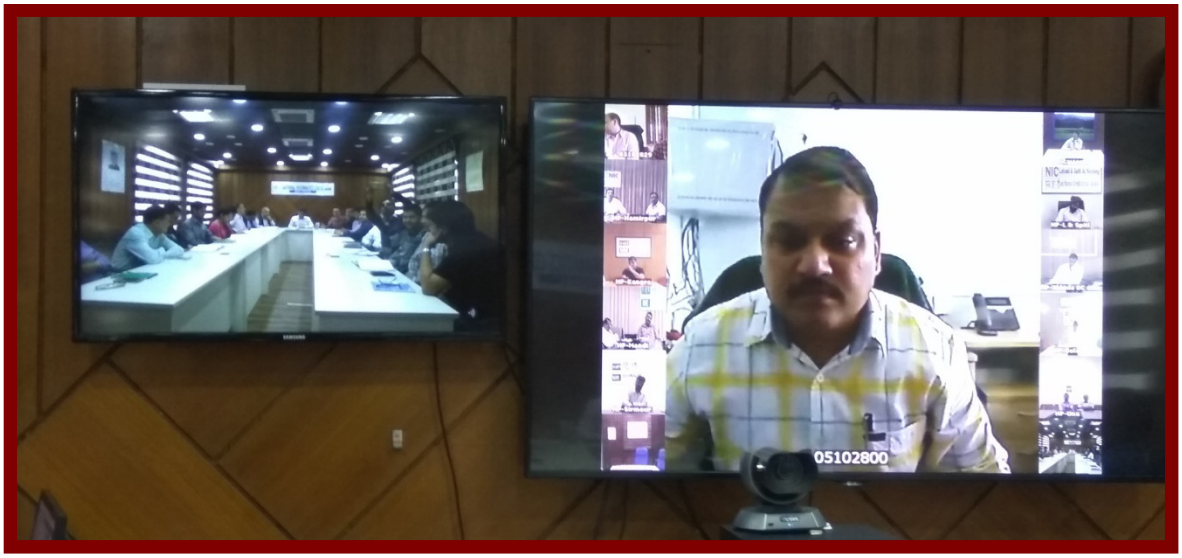

हिंदी कार्यशाला एवं संगोष्ठी में जिला कार्यालयों के अधिकारी विचार व्यक्त करते हुए

हिंदी कार्यशाला के आयोजन के तत्पश्चात एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश कार्यालय में हिंदी संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें भी हि.प्र. राज्य केंद्र एवं अधीनस्थ कार्यालयों के अधिकारिओं एवं कर्मचारिओं ने भाग लिया। संगोष्ठी के दौरान उपस्थित सभी अधिकारिओं एवं कर्मचारिओं ने कार्यालय में हिंदी के प्रयोग को और अधिक सशक्त रूप से जारी रखने सम्बन्धी विचार व अनुभव प्रस्तुत किए, जो कि सभी के लिए अत्यंत उत्साह पूर्ण थे। श्री राजीव कुमार ने एक कविता पढ़ कर सुनाई, और श्री दीपक कुमार ने कहा कि जो शब्द एवं विचार 'आज का शब्द' के अंतर्गत भेजे जाते हैं, उन्हें कुछ समय पश्चात दोहराना चाहिए। उपस्थित अधिकतर महानुभावों ने कहा कि हिंदी में कार्य आरंभ करने के पश्चात अब अच्छा लग रहा है। श्री संदीप कुमार के अनुसार प्रशानिक अनुभाग के प्रपत्र जैसे कि, यात्रा भत्ता, चिकत्सा भत्ता, भविष्य निधि कोष से सम्बंधित इत्यादि हिंदी में टाइप होने चाहिए। श्री अखिलेश भारती एवं श्री विनोद गर्ग ने बताया कि उनके कार्यालय स्थानीय नराकास के सदस्य बन गए हैं एवं उन्हें अंशदान के लिए कहा गया है।

उक्त आयोजन के दौरान कार्यालय के विभिन्न मसौदों एवं बिन्दुओं पर चर्चाएँ हुई तथा सम्बंधित अधिकारिओं व कर्मचारिओं को राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी एवं कार्यालय की हिंदी समिति के अध्यक्ष महोदय की अध्यक्षता में समिति द्वारा निम्नलिखित के अनुपालन के लिए कहा गया।

- श्री संदीप सूद अपने सहयोगिओं से विभिन्न प्रशासनिक प्रपत्र टाइप करवाएगें, ताकि अधिकारिओं एवं कर्मचारिओं द्वारा विभिन्न प्रपत्र हिंदी में सॉफ्ट कॉपी फॉर्मेट में भरे जा सकें।
- श्री अशोक कटोच नरकास के लिए अंशदान हेतु कार्यालय/विभाग की प्रक्रिया पूर्ण कर, विभिन्न नरकास के लिए अंशदान जारी करेंगे।
- हिंदी के शब्द के स्थान पर अब सभी अधिकारी एवं कर्मचारी, उनके द्वारा हिंदी में लिखे हुए पत्र कार्यालय में ई-मेल द्वारा सभी को भेजगें, एवं तुरंत प्रभाव से इसका अनुपालन करेंगे।

हिंदी कार्यशाला एवं संगोष्ठी में निम्नलिखित अधिकारिओं और कर्मचारिओं ने भाग लिया।

क्रम सं.	**अधिकारी / कर्मचारी का नाम**	**क्रम सं.**	**अधिकारी / कर्मचारी का नाम**
1	अजय सिंह चैहल	15	वीरेन्द्र प्रताप गुप्ता
2	ललित कपूर	16	भूपिंदर पाठक
3	संदीप सूद	17	अक्षय मेहता
4	विजय कुमार गुप्ता	18	विनोद कुमार गर्ग
5	संजय कुमार	19	भूपिंदर सिंह
6	संजय शर्मा	20	संजीव कुमार
7	विमल कुमार शर्मा	21	अनुराग गुप्ता
8	शैलेंदर कौशल	22	ब्रिजेंदर कुमार डोगरा
9	दलजीत राणा	23	राजीव कुमार
10	संदीप कुमार	24	गुरप्रीत सिंह
11	संजय ठाकुर	25	अखिलेश भारती
12	संजीव कुमार गुप्ता	26	अश्वनी कुमार
13	सी.एल. कश्यप	27	पंकज गुप्ता
14	आशीष शर्मा	28	दीपक कुमार

29	मुकेश कुमार	35	विजय कुमार
30	प्रवीण शर्मा	36	मोहन राकेश
31	वंदना	37	संजीव कुमार कश्यप
32	पृथ्वी राज नेगी	38	अशोक कटोच
33	अमित कन्नौजिया	39	विनय डोगरा
34	शंकर लाल	40	हमेंदर लाल

हिंदी कार्यशाला एवं संगोष्ठी का कार्यक्रम दिन भर जारी रहा एवं सभी अधिकारिओं एवं कर्मचारिओं नें कार्यालय में राजभाषा के सम्पूर्ण प्रयोग हेतु अपने अपने विचार रखे एवं अपने अपने अनुभव साँझा किये, जो कि सभी के लिए अत्यंत प्रेरणादायक थे, तथा इसी के साथ ही एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला एवं संगोष्ठी के कार्यक्रम का समापन हुआ।